शैक्षणिक सृजन को बढ़ावा देने पर जोर

नईदुनिया प्रतिनिधि, रायपुर : आइआइएम में बुधवार को 'पाठ्यपुस्तकों एवं संदर्भ ग्रंथों के लेखन के माध्यम से विद्वत्-पूंजी सृजन' विषय पर पुस्तक लेखन कार्यशाला आयोजित की गई। यह आयोजन राष्ट्रीय शिक्षा नीति, अनुसंधान, प्रकाशन एवं पुस्तकालय समिति के तत्वावधान में हुआ, जिसकी अध्यक्षता प्रोफेसर मनोजित चट्टोपाध्याय ने की। कार्यशाला का उद्देश्य प्राध्यापकों और शोधकर्ताओं को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और एएसीएसबी प्रत्यायन के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक लेखन और प्रकाशन के लिए प्रेरित करना था।

उद्घाटन सत्र में प्रोफेसर संजीव परशर (कार्यकारी निदेशक) ने कहा कि 'आइआइएम ज्ञान के प्रसार और शैक्षणिक लेखन की शक्ति में विश्वास रखता है। यह कार्यशाला हमारे प्राध्यापकों और शोधार्थियों के लिए अपने विचारों को पुस्तकों के रूप में अभिव्यक्त करने का अवसर है।' डीन प्रो. सत्यसीबा दास ने कहा कि शीघ्र ही संस्थान के प्राध्यापकों की रचनाएं राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध होंगी। प्रोफेसर एम. कननधासन ने पुस्तक लेखन की प्रक्रिया पर अपने विचार रखे, जबकि कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर प्रदीप्तरथी पांडा ने आभार व्यक्त किया। तकनीकी सत्रों में आइआइएम बेंगलुरु के प्रोफेसर सौरव मुखर्जी तथा स्प्रिंगर नेचर की वरिष्ठ संपादिका नूपुर सिंह ने शैक्षणिक लेखन, प्रकाशन पद्धतियों और डिजिटल पुस्तकों की बढ़ती भूमिका पर चर्चा की।

कार्यशाला में शामिल प्रोफेसर और शोधकर्ता। ● आइआइएम

Naidunia, 31 Oct 2025, P. 04